MATTERS RAISED WITH PERMISSION

Prime Minister's special scholarship to students in Jammu and Kashmir

श्री नज़ीर अहमद लवाय (जम्मू और कश्मीर) : सर, हमारे जम्मू-कश्मीर स्टेट ...(**व्यवधान**)... के लिए गवर्नमेंट ऑफ इंडिया की प्राइम मिनिस्टर स्पेशल स्कॉलरशिप स्कीम आई थी, जो 2010 में ...(**व्यवधान**)... इम्प्लिमेंट हुई। उसके बाद हमारे जम्मू-कश्मीर स्टेट के जो बच्चे हैं, वे मुल्क के मुख्तलिफ कॉलेजों में तालीम हासिल करने के लिए गए थे, लेकिन आज तक उनको स्कॉलरशिप नहीं मिल रही है। चूँकि वे गरीब लोग हैं, इसलिए गवर्नमेंट ऑफ इंडिया ने स्कॉलरशिप की बिनाह पर एक स्कीम बनाई थी, जिसमें उसने 12 हजार करोड़ रुपए मुख़तस रखे थे। 2013 में 3,747 लड़के आए, उसके बाद 2014 में 1,000 लड़के आ गए। गवर्नमेंट ऑफ इंडिया ने इसके लिए पर ईयर फंड रखा था, जिससे 5,000 लड़कों को स्कॉलरशिप दी जाएगी, जिससे उन्हें employment opportunity throughout India मिलेगी, लेकिन आज हमारे वे लड़के दर-ब-दर की ठोकरें खा रहे हैं, सारे दिल्ली में घूम रहे हैं, पंजाब में घूम रहे हैं, छत्तीसगढ़ में घूम रहे हैं। हमारे जो नौजवान लड़के पढ़ने गए थे, उनको कॉलेजों से निकाल दिया गया है और वे बेचारे सड़क पर भूखे मर रहे हैं। उनके पास घर जाने के लिए किराए भी नहीं हैं। मैंने 27 फरवरी को एचआरडी मिनिस्टर को चिट्ठी लिखी थी, लेकिन आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। मैं आपके माध्यम से एचआरडी मिनिस्टर को यह बताना चाहता हूँ कि हमारे बच्चों का जो मुस्तकबिल खत्म हो रहा है, उनकी तालीम मुतासिर हो रही है, उनके लिए कुछ किया जाए।

†**جناب نذیر احمد لاوے(جموں وکشمیر)** سر، ہمارے جموں وکشمیر اسٹیٹ ...(مداخلت)... کے لئے گورنمنٹ آف انڈیا کی پرائم منسٹر اسپیشل اسکالرشپ اسکیم آئی تھی، جو 2010 میں...(مداخلت)... امپلیمنٹ ہوئی۔ اس کے بعد ہمارے جموں وکشمیر اسٹیٹ کے جو بچے ہیں، وہ ملک کے مختلف کالجوں میں تعلیم حاصل کرنے کے لئے گئے تھے، لیکن آج تک ان کو اسکالرشپ نہیں مل رہی ہے۔ چونکہ وہ غریب لوگ ہیں، اس لئے گورنمنٹ آف انڈیا نے اسکالرشپ کی بنا پر ایک اسکیم بنائی تھی، جس میں بارہ ہزار کروڑ روپے مختص رکھے تھے۔ 2013میں 3747 لڑکے آئے، اس کے بعد 2014 میں 1000 لڑکے آگئے، لیکن گورنمنٹ آف انڈیا نے اس کے لئے پَرائیر فنڈ رکھا تھا، جس میں سے 5000 لڑکوں کو اسکالرشپ دی جائے گی، جس سے انہیں employment opportunity throughout Indiaملے گی، لیکن آج ہمارے وہ لڑکے در بدر کی ٹھوکریں کھارہے ہیں، سارے دہلی میں گھوم رہے ہیں، پنجاب میں گھوم رہے ہیں، چھتیس گڑھ میں گھوم رہے ہیں۔ ہمارے جو نوجوان لڑکے پڑھتے ہیں، ان کو کالجوں سے نکال دیا گیا ہے اور وہ بیچارے سڑک پر بھوکے مررہے ہیں۔ ان کے پاس گھر جانے کے لئے کرائے بھی نہیں ہیں۔ میں نے 27 فروری کو ایچ آرڈی منسٹر کو چٹھّی لکھی تھی، لیکن آج تک کوئی کارروائی نہیں ہوئی۔ میں آپ کے توسط سے ایچ آر ڈی منسٹر کو یہ بتانا چاہتا ہوں کہ ہمارے بچوں کا جو مستقبل ختم ہورہا ہے، ان کی تعلیم متاثر ہورہی ہے، ان کے لئے کچھ کیا جائے۔

SHRI RAJEEV CHANDRASEKHAR (Karnataka): Sir, I associate myself with the matter raised by the hon. Member.

† Transliteration in Urdu Script.

SHRI D. RAJA (Tamil Nadu): Sir, I associate myself with the matter raised by the hon. Member.

श्री नारायण लाल पंचारिया (राजस्थान) : सर, मैं स्वयं को इस विषय के साथ सम्बद्ध करता हूँ।

श्री शमशेर सिंह मन्हास (जम्मू और कश्मीर) : सर, मैं स्वयं को इस विषय के साथ सम्बद्ध करता हूँ।

श्री शरद यादव (बिहार): सर, कश्मीर के एमपी साहब ने जो सवाल उठाया है, वे सही बात कह रहे हैं, वहां पर बहुत दिक्कत है। देश भर में कश्मीर के लोगों को बड़ी समस्या है, उसका integration करने के लिए वहां पर यह एक पहल की गई थी, लेकिन वहां उन बच्चों को कोई स्कॉलरशिप नहीं मिलती है, उनके साथ हक़ारत का व्यवहार होता है, उनको मारा-पीटा जाता है। यह बहुत ही गम्भीर बात है, सरकार को इसका संज्ञान लेना चाहिए। वहां पर लोगों को बहुत दिक्कत हो रही है।

श्री नरेश अग्रवाल (उत्तर प्रदेश) : माननीय उपसभापति जी, मैं भी शरद जी की बात का समर्थन करने के लिए खड़ा हुआ हूं। कश्मीर को सेंसिटिव नहीं रहना चाहिए। अगर कश्मीर के बच्चों के मन में हीन भावना आ गई, तो यह राष्ट्र के लिए बहुत अच्छी बात नहीं होगी और अगर यह नीयत पूरे राष्ट्र के लिए है, तब तो यह और भी खराब चीज़ है। मैं चाहता हूं, कम से कम इसको बहुत गंभीरता से लिया जाए और माननीय सदस्य ने जो कहा है, उस पर कार्यवाही की जाए।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I agree. The issue is important. It is for the Government to take note of it and take action.

Loss of livelihood to lakhs of para teachers engaged in school education

SHRI TAPAN KUMAR SEN (West Bengal): Sir, I stand here to draw the attention of the House to a very serious issue. I wish HRD Minister had been here. She was here only but it is my misfortune that I could not speak before her. The issue is that a few lakhs of para-teachers were not being paid full wages of regular teachers. They are running the school education system throughout the country but their livelihood and employment has been put to serious threat.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Are they under the Central Government or the State Government?

SHRI TAPAN KUMAR SEN: They are under the State Government; they are employed under the school education system with less salary to supplement the regular teachers in the school and their number is a few lakhs. In my State alone, fifty three thousand para teachers are there. Now, their job is going to end by 31st of March because as per the stipulation of the Right to Education Act they ought to be covered by Diploma in Education Training but that is not taking place for no fault of theirs. Teachers cannot train themselves. The arrangement is to be made by